



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

7 आषाढ़ 1939 (श10)
(सं० पटना 538) पटना, बुधवार, 28 जून 2017

सं० 08/आरोप-01-34/2016-5926-सां०प्र०
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प
18 मई 2017

श्री शिव कुमार पंडित, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-1186/11 के विरुद्ध अनुमंडल पदाधिकारी, बाँका के पदस्थापन काल में दिनांक 14.01.2014 (मकर संक्रांति) को बाँसी मेला स्थित एक थियेटर में हुई भगदड़ में तीन व्यक्तियों की मृत्यु की घटना पर गृह विभाग (विशेष शाखा) बिहार, पटना द्वारा संयुक्त जाँच प्रतिवेदन (पत्रांक-8112 दिनांक 30.08.2016) उपलब्ध कराते हुए अनुशासनिक कार्रवाई का अनुरोध किया गया। उक्त प्रतिवेदित आरोपों के क्रम में श्री पंडित के विरुद्ध विभागीय स्तर पर गठित एवं अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा अनुमोदित आरोप, प्रपत्र 'क' की प्रति संलग्न करते हुए पत्रांक-16692 दिनांक 15.12.2016 द्वारा उनसे स्पष्टीकरण की माँग की गयी।

उक्त के क्रम में श्री पंडित का स्पष्टीकरण (पत्रांक-03 दिनांक 11.01.2017) प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने कहा कि थियेटर को रात्रि 10.00 बजे तक ही कार्यक्रम संचालन की अनुमति दी गयी थी। मेला में विधि-व्यवस्था बनाये रखने हेतु जिला पदाधिकारी के स्तर से दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी थी। जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा मेला का उद्घाटन किया गया था। मेला के निरीक्षण के दौरान वे भी जिला पदाधिकारी के साथ थे तथा अपराहन में वे बाँका लौट गये। रात्रि में हुई भगदड़ की घटना की सूचना मिलने के पश्चात् उन्होंने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के साथ संयुक्त रूप से जाँच किया एवं जिला पदाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक को प्रतिवेदन सौंपा। इस क्रम में कई कर्मियों एवं पदाधिकारियों पर कार्रवाई भी हुई। इस प्रकार उन्होंने पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्य का निर्वहन किया। जिला पदाधिकारी ने भी उनके स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य माना है।

गृह विभाग से प्राप्त संयुक्त जाँच प्रतिवेदन, गठित आरोप, प्रपत्र 'क' एवं श्री पंडित से प्राप्त स्पष्टीकरण की अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर समीक्षा में पाया गया कि अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में उन्होंने (श्री पंडित) विधि-व्यवस्था संधारण कार्य का सही ढंग से अनुश्रवण नहीं किया। यदि वे सही ढंग से इसका अनुश्रवण करते तो मेला नियंत्रण कक्ष में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी के कर्तव्य से अनुपस्थित रहने की स्थिति नहीं बनती। दिनांक 14.01.2014 को रात्रि 12.00 बजे भगदड़ की घटना हुई, परन्तु अनुमंडल पदाधिकारी को इसकी सूचना दिनांक 15.01.2014 को पूर्वाहन 10.00 बजे मिली। उसके पश्चात् वे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के साथ घटना स्थल के लिए रवाना हुए। इस प्रकार अधीनस्थ कर्मियों पर अनुमंडल पदाधिकारी के नियंत्रण का घोर अभाव रहा, जिससे विधि-व्यवस्था के संधारण में भी चूक हुई। अनुमंडल पदाधिकारी उक्त प्रशासनिक चूक के लिए जिम्मेवार पाये गये, क्योंकि उनका प्रथम दायित्व विधि-व्यवस्था संधारण का ही होता है।

अतएव उक्त प्रमाणित आरोपों के लिए श्री शिव कुमार पंडित, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-1186/11 के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-14 के तहत निम्नलिखित शास्ति अधिरोपित किया जाता है :-

- (क) निन्दन (आरोप वर्ष-2014 के प्रभाव से)
- (ख) प्रोन्नति पर एक वर्ष के लिए रोक (प्रोन्नति देय तिथि से)

आदेश :-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा सभी संबंधित का भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राम बिशुन राय,
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
बिहार गजट (असाधारण)538+571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>